1989-90	1990-91	April, 91 June 91
(M.T.)	(M.T.)	(M.T.)
2	19.5	9.5

Apart from this, there are a number of producers in the Small Scale Sector, the production of those units is not monitored.

(c) Yes, Sir.

(d) Ampicillin Trihydrate is the main inputs for the manufacture of Ampicillin Sodium Sterile. The following intermediates for the manufacture of Ampicillin Trihydrate enjoy a concessional duty of 95 per cent.

1. Hexamethyl Disilazone.
2. Trimethyl Chlorosilane.
3. Dimethyl Acetamide.
4. 2.6 Lutidine.

(e) and (f) A number of requests for imposing import restrictions have been received during 1990-91 which were examined taking into consideration various factor such as indigenous demand, licensed capacity, production, landed and indigenous price of the items etc. Final decision in this regard will be taken by the Ministry of Commerce.

कुशल और अकुशल बेरोजगार व्यक्ति

@1693क. **श्री अजीत जोगी :**
कुमारी आलिया :

क्या योजना और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) कुशल और अकुशल बेरोजगार व्यक्तियों की श्रेणीवार और राज्यवार संख्या कितनी-कितनी है ;

(ख) बेरोजगारी की समस्या को हल करने के लिए क्या कार्य-योजना बनाने का विचार है; और

(ग) इस संबंध में चालू वर्ष में क्या लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं ?

योजना और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री हंसराज भारद्वाज) : (क) से (ग) रोजगार दफ्तरों में पंजीकृत काम के इच्छुओं का श्रेणीवार (कुशल/अर्द्धकुशल तथा अकुशल) वितरण उपलब्ध है 31.12.87 को अद्यतन समय बिन्दु जिसके लिए आंकड़ों को एकत्रित किया गया है, राज्यवार दर्शाने वाला विवरण अनुबंध–I में दिया गया है। तथापि इस बात को इंगित किये जाने की आवश्यकता है कि रोजगार दफ्तरों में पंजीकृत सभी व्यक्ति आवश्यक रूप से बेरोजगार नहीं होते हैं।

आठवीं पंचवर्षीय योजना को 1 अप्रैल की अवधि में दस करोड़ रोजगार के अवसर पैदा करने के दीर्घ कालीन लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए बनाया जा रहा है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कार्य-नीतियों तथा कार्यक्रमों को ब्यौरे योजना दस्तावेज में शामिल किए जाएंगे।

विकास प्रक्रिया में लगी समूची अर्थव्यवस्था में रोजगार के विशिष्ट लक्ष्यों को साल-दर-साल निश्चित नहीं किया जाता हैं। किन्तु, विशेष रोजगार कार्यक्रमों के लिए लक्ष्य निश्चित किए जाते हैं। प्रमुख केन्द्रीय/केन्द्र प्रायोजित कार्यक्रमों के तहत वर्ष 1991–92 के लिए लक्ष्यों को दर्शाने वाला विवरण अनुबंध–II में दिया गया है।

@पूर्वतः अतारांकित प्रश्न 811, 6 सितम्बर, 1991 से स्थानान्तरित।

अनुबन्ध –I

चाल रजिस्टरों में बेरोजगारों की संख्या तथा उनमें से 31.12.1987 को राज्यों/संघ राज्यों के क्षेत्रवार कुशल, अर्द्धकुशल तथा अकुशल व्यक्तियों की संख्या

(लाखों में)

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र का नाम	बेरोजगारों की संख्या	कुशल/अर्द्धकुशल	अकुशल
(1)	(2)	(3)	(4)
1. आंध्र प्रदेश	27.22	1.07	6.34
2. अरूणाचल प्रदेश**			
3. असम	8.44	0.17	1.06
4. बिहार	27.08	1.47	3.47
5. गोवा	0.78	0.07	0.07
6. गुजरात	7.82	0.26	0.98
7. हरियाणा	5.80	0.23	1.64
8. हिमाचल प्रदेश	3.50	0.19	0.62
9. जम्मू व कश्मीर	1.27	0.05	0.45
10. कर्नाटक	10.13	0.26	1.10
11. केरल	29.90	0.99	2.18
12. मध्य प्रदेश	17.40	0.41	4.25
13. महाराष्ट्र	26.15	0.85	4.62
14. मणिपुर	2.87	0.06	0.06
15. मेघालय	0.19	=	0.03
16. मिजोरम	0.37	=	0.09
17. नागालैंड	0.23	=	0.01
18. उड़ीसा	0.23	0.23	0.83
19. पंजाब	6.19	0.23	2.05
20. राजस्थान	8.31	0.15	1.67
21. सिक्किम*		*	
22. तमिलनाडु	24.86	0.99	3.01
23. त्रिपुरा	1.17	0.01	0.19
24. उत्तर प्रदेश	29.63	1.66	6.16
25. पश्चिमी बंगाल	45.65	1.21	9.87

(1)	(2)	(3)	(4)
संघ राज्य क्षेत्र			
1. अंडमान व निकोबार द्वीप समूह	0.16	0.02	—
2. चंडीगढ़	1.37	0.07	0.41
3. दादरा व नागर हवेली**			
4. दिल्ली	7.06	0.24	0.76
5. दमन व द्वीव**			
6. लक्षद्वीप	0.07	0.03	—
7. पांडचेरी	0.92	0.04	0.13
जोड़ :	302.47	11.00	52.07

टिप्पणी

1. *इस राज्य में कोई रोजगार केन्द्र कार्य नहीं कर रहा है ।
2. **आंकड़े नहीं रखे जाते हैं ।
3. =500 से कम संख्या ।
4. पूर्णांक में देने के कारण संख्या कुल संख्या से अधिक नहीं हो सकती है ।
5. कॉलम 3 तथा 4 कॉलम 2 में नहीं जोड़े गए हैं क्योंकि कुशल-अकुशल वर्गीकरण सभी व्यवसायों पर लागू नहीं होता है ।
6. इस विवरण के आंकड़े 31.12.1987 के अनुसार है, वह अद्यतन समय बिन्दु जिसके लिए कुशल-अकुशल आंकड़ों को एकत्रित किया गया है । रोजगार दफ्तरों में पंजीकृत व्यक्तियों के कुल आंकड़े 30.6.1991 तक के लिए उपलब्ध है और इनकी संख्या 352.15 लाख है ।

अनुबन्ध II

प्रमुख केन्द्रीय/केन्द्र-प्रायोजित विशेष रोजगार कार्यक्रमों के लिए वर्ष 1991-92 के लिए लक्ष्य

क्र० सं०	कार्यक्रम का नाम	यूनिट	1991-92 के लिए लक्ष्य (लाखों में)
1.	एकीकृत ग्रामीण विकास कार्यक्रम (आई० आर० डी० पी०)	परिवारों की संख्या	22.5
2.	जवाहर रोजगार योजना (जे० आर० वाई०)	रोजगार के कार्य दिवस	9000
3.	शिक्षित बेरोजगार युवकों का स्व-रोजगार (एस० ई० ई० यू० वाई०)	लाभार्थियों की संख्या	1.29
4.	नेहरू रोजगार योजना (एन० आर० वाई०)		
1.	शहरी माईक्रो उद्यमों की स्कीम	व्यक्ति	0.70
2.	शहरी दैनिक रोजगार की स्कीम	रोजगार के कार्य दिवस	131.65
3.	आवास तथा शैल्टर अपग्रेडेशन की स्कीम		